कर्मशालाओं के नाम	कर्मचारियों की संख्या
बायलर कर्मशाला (मरम्मत)	601
टेण्डर कर्मशाला	303
ताम्रकार कर्मशाला	159
फिटिंग कर्मशाला	322
पहिया कर्मशाला	252
झलाई कर्मशाला	410
इनर फायरबाक्स कमशाला	48
पीतल फिनिशिंग कर्मशाला	418
मशीन कर्मशाला	413
क्रेन / टावर कर्मशाला	249
पीतल और श्वेत धातु ढलाई कारखाना	342
सामान्य लोहा ढलाई कारखाना	427
रेल पथ ढलाई कारखाना	682
इस्पात ढलाई कारखाना	254
पैटर्न कर्मशाला	262
हीट ट्रीटमेंट कमशाला	59
डाई सिकिंग कमशाला	105
ओजार और साचा कमशाला	227
मशीन टूल रिकाडशनिंग कर्मशाला	211
डीजल पुर्जा कर्मशाला	104
रोलिंग मिल	109
बोल्ट और नट कर्मशाला	105
गढाई कर्मशाला	213
लोहार कर्मशाला	306
मिलराइट कर्मशाला	1066
ब्रिक कर्मशाला	146
परिवहन कर्मशाला	328
जजीर कर्मशाला	50
धातुकर्मीय प्रयोगशाला	63
डीजल आवधिक ओवरहाल कर्मशाला	539
विद्युत मरम्मत कर्मशाला	886
बिजलीघर	166

(ख) भाप और डीजल रेल इजन डुप्लीकेट / सब असेम्बली, माल डब्बा के पुर्जो टावर माल डब्बा व्हाइटिंग जैसी मदो का निर्माण जमालपुर कारखाने मे किया जा रहा है।

(ग) जी, हा। कारखाने मे इस समय विशेष श्रेणी के प्रशिक्षुओ, प्रशिक्षु मैके निको (डप्लोमाधारी) और एक्ट प्रशिक्षुओ को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बरईघाट और महादेवपुर के बीच रेलवे स्टीमरो के चालन का बन्द किया जाना

1521. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि रेलवे प्राधिकारियो ने बरईघाट और महादेवपुर घाट नाम के दो रेलवे स्टेशनो के बीच गगा नदी मे रेलवे स्टीमरो के चलाये जाने को बन्द कर दिया है, यदि हा, दतो मुगर और मागलपुर के बीच गगा नदी पर पुल के निर्माण कार्य के पूरा होने से पहले इस सेवा को बन्द किये जाने के क्या कारण है, और

(ख) क्या यह सच है कि इस सेवा के बन्द किये जाने के कारण हजारो यात्रियो, मवेशियो और माल के आने जाने मे अत्यन्त कठिनाई हो रही है और आन्दोलन किये जा रहे है तथा इस सबध मे अनेक ससद सदस्यो ने भी लिखा है ?

रेल मत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) यातायात और आमदनी कम होने तथा परिचालन की अलाभप्रद लागत को देखते हुए 8-7-1986 से रेलवे घाट सेवा बन्द कर दी गयी थी। कुछ ससद सदस्यो ने इसके बारे मे लिखा है। लेकिन, रेलवे घाट सेवा को बहाल करने का प्रस्ताव नही है, क्योकि यातायात की आवश्यकताये पूरी करने के लिये राज्य सरकार से लाइसेंस प्राप्त ठेकेदारो द्वारा वैकल्पिक घाट सेवा उपलब्ध है